स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत) (MSK)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.एस.के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में कुल **दो** खण्ड हैं । **सभी** खण्ड अनिवार्य हैं । खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए ।* *3×20=60*

1. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी का परिचय प्रस्तुत करते हुए काव्यालंकारकारिका के अनुसार अलंकार की अवधारणा का वर्णन कीजिए ।

2. प्रोफेसर अभिराज राजेन्द्र कृत जानकीजीवनम् महाकाव्य का प्रतिपाद्य लिखिए ।

3. मीरालहरी के द्वितीय खण्ड का प्रतिपाद्य लिखते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

4. आधुनिक काव्यविधा के अन्तर्गत पद्य रचना पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।

5. पंडिता क्षमाराव के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का वर्णन कीजिए ।

खण्ड ख

निर्देश : *अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *4×10=40*

6. प्रस्तुत श्लोक की व्याख्या कीजिए :

वसन्त हे पञ्चशरद्वितीय
प्रभुर्भवान्येव ममास्ति मान्यः ।।
न मे यथा स्यात् चरितं विलीनं
कलङ्पङ्के क्रियतां तदेव ।।

7. जानकीजीवनम् के प्रथम सर्ग के श्लोक संख्या 26 से 55 तक का सारांश लिखिए ।

8. मीरालहरी के द्वितीय खण्ड का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए ।

9. प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी के शैक्षिक जीवन का वर्णन कीजिए ।

10. पठित अंश के आधार पर आधुनिक संस्कृत साहित्य के दो प्रमुख साहित्यकारों का परिचय बताते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए ।

11. काव्यालंकारकारिका के अनुसार काव्य हेतु का वर्णन कीजिए ।

12. काव्यालंकारकारिका के अनुसार काव्य प्रयोजन की व्याख्या कीजिए ।